KALA SOPAN MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL
(A Peer Reviewed Journal)
Volume 01, Issue 01, January 2024
©2024

अयोध्या के कलाकारों का स्क्रैप आर्ट एक :विश्लेषण

रीमा सिंह
सहायक आचार्य
ललित कला विभाग, डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

<u>प्रस्तावना:-</u> स्क्रैप आर्ट का अर्थ होता है- **"कलाकार द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से कलाकृत्तियों का निर्माण करना"।** कला के क्षेत्र में वर्तमान समय में स्क्रैप आर्ट प्रचलित शब्द हो चुका है परन्तु इसकी शुरूआत 1950 के दशक के United Stateमें जन्में Assemblage Art कला आंदोलन से सम्बंध रखती है। सन् 1950 के दशक में कलाकार Dubuttet ने Scrape Art शब्द का प्रयोग किया। यही वह समय था जब कलाकार ने रोजमर्रा की वस्तुओ को अपने कला में प्रयोग करना शुरू किया। कला क्षेत्र में किया गया यह नवीन प्रयोग समकालीन कलाओं को एक नई दिशा प्रदान करता है, इन नवीन प्रयोगों ने Ready-Made Art, Junk Art, Installation Art, Assemblage Art जैसे नए कला प्रवृत्तियों को जन्म दिया। कला की इस नई विधा को पारम्परिक चित्रकला और मूर्तिकला से जोड़ कर देखना संभव नहीं है, क्योंकि कला की ये पारम्परिक विधाएं कुछ खास तकनीकों पर ही आधारित है जैसे कि अगर चित्र बनाना है तो कागज, कलम, रंग, तूलिका, मिट्टी, लकडी और उससे संबंधित उपकरणों की आवश्यकता होती है जबकि "SCRAP ART" Assemblage और Labrication की तकनीकों पर आधारित होती है, जिससे हम त्रिआयामी "Ready-Made" (पहले से बनी-बनाई वस्तु) और "Found Objects" को जोड़कर एक नयी आकृति तैयार करते है। कला की यह नई विधा पुराने सभी पारंपरिक माध्यमों को चुनौती देते हुए नए संभावनाओं को जन्म देने के साथ ही पर्यावरण को बनाने के लिए पुनः उपयोग और रीसायकल की संस्कृति को प्रभावित करते है।

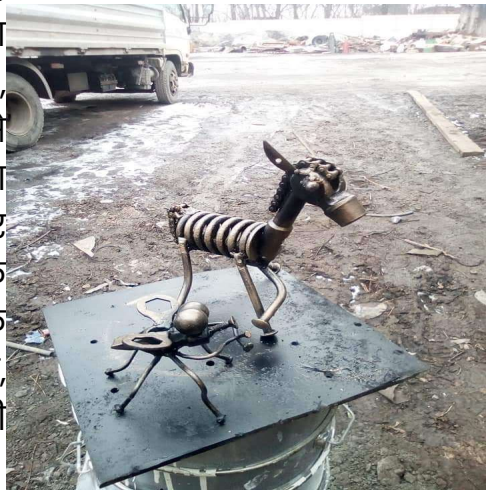

<u>अध्ययन का उद्देश्य:-</u>

(1) स्क्रैप आर्ट के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाना।
(2) 3rd rednce, reuse, recycle की अवधारणा का कला के द्वारा प्रदर्शन।

(3) स्क्रैप आर्ट आज के समय में पर्यावरण के लिए किस प्रकार लाभदायक है इसे जनमानस तक पहुंचना।
(4) अपशिष्ट साम्रगी का कला के माध्यम से उचित निराकरण हेतु रणनीति प्रस्तुत करना।

अध्ययन क्षेत्रः- प्रस्तुत लेख हेतु अयोध्या क्षेत्र को चुना गया है, शेष अध्ययन हेतु, देश, प्रदेश तथा वैश्विक स्तर के अध्ययनों का समावेश भी किया है।

शोधविधिः- यह अध्ययन विशेषतः द्वितीयक आँकडों पर आधारित है। प्रमुख तथ्यों का संकलन विभिन्न प्रकाशित पुस्तको, समाचार पत्र, पत्रिकाओं, लेखों, सरकारी प्रतिवेतन एवं इण्टरनेट पर उपलब्ध सामग्री का उपयोग किया गया है।

आँकडा स्त्रोत एवं विधितंत्रः- विश्व की लगातार बढती जनसंख्या जिस प्रकार अपने आस पास विभिन्न तरह के उत्पादो से घिरी है, ये उत्पाद रोजमर्रा की जिन्दगी को आसान तो बनाते है लेकिन क्या कभी किसी ने यह सोचा कि इनके उपयोग के बाद जब ये अनुपयोगी हो जायेगे तो इसका निस्तारण कैसे होगा? इन उत्पादो मे से कुछ बेंच दिया जाता है कबाडी वाले को, कुछ रीसायकल हो जाते है लेकिन कुछ मैटेरियल्स को रीसायकल करना मुश्किल होता है या कहा जा सकता है कि उत्पादन के तादात के अनुपात में रीसायकल करना अत्यन्त मुश्किल होता हैं। विश्व में कई देश कूड़े का ढ़ेर बन चुके है जो कि एक बड़ी समस्या के रूप में लोगो के सामने आ रही है। रीसायकल की इन्ही समस्याओं से निपटने के लिए स्क्रैप आर्ट एक बेहतरीन विकल्प है जोकि की अपशिष्ट पदार्थ निस्तारण के साथ ही हमारे आस-पास की जगह को सुन्दर एवं आकर्षक बनाता है।
समकालीन कला के क्षेत्र में कुछ कलाकार स्कैप मैटेरियल्स को उपयोग में लाकर कलाकृतियों की रचना का माध्यम बना रहे तथा अपने भावों की अभिव्यक्ति इन कृत्तियों द्वारा कर रहे है।
ये कलाकृतियां स्कैप मैटेरियल्स के बेहतरीन उपयोगिता का सूचक है तथा पर्यावरण को सुन्दर बनाने का काम भी कर रही है। स्क्रैप से बनी कलाकृतियां लोगो को सोचने पर मजबूर कर रही है कि जिसे वे अनुपयोगी समझ कर निष्कासित कर देते थे वही वस्तु उनके आस पास के वातावरण बाग-बगीचों, घरो, चैराहो आादि को सुदंर बनाने का काम कर रही है। इस प्रयास से लोग न सिर्फ सुन्दरता का आनन्द उठाते है बल्कि अनचाही और बेकार वस्तुओं का महत्व भी समझने लगे है तथा इससे सीख लेकर खुद भी उसका संरक्षण करने के साथ उसके उपयोग के बारे में सोचते है।
जिस तरह पर्यावरणीय चुनौतियों पर व्यापक बहस होती जा रही है उसी तरह भारतीय कलाकारों की संख्या बढ़ रही है जो धातु के स्क्रैप की ओर रूख कर रहे है। ये कलाकार अपनी कलाकृतियों द्वारा पर्यावरण को बचाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में 2016 में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से 1.6 बिलियन टन कार्बनडाईऑक्साइड समतुल्य (Co2-समतुल्य) ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का अनुमान लगाया गया है। इस क्षेत्र में सुधार के बिना ठोस अपशिष्ट से संबंधित उत्सर्जन 2.6 बिलियल टन Co2-(2050) तक बढने का अनुमान है।

अपशिष्ट प्रबंधन का स्वर्ण नियम '3R'

1- कम करें- कम उपयोग करें।
2- पुनः उपयोग-पुनः उपयोगकरें।
3- रीसायकल- फिर से करें।

वाक्यांश- कम करना, पुनः उपयोग करना, रीसायकल करना, सामग्री के बेहतर उपयोग के लिए गतिविधियों के अनुशंसित अनुक्रम को कम नुकसान पहुंचा सकें। हमारे पर्यावरण के लिए प्राथमिक लाभों के अलावा, ये 3 Rअन्य लाभ भी प्रदान करते है जैसे- वित्तीय बचत।

कचरे को कम करने के 3 नियम है-

1- Reduse- इसका मतलब है उन संसाधनो का बचत जो भविष्य के लिए अधिक उपयोगी है।
उदाहरण- बिजली बचाने के लिए उपयोग न होने पर लाइट स्विच ऑफ करना इत्यादि।
2- Reuse- यह रणनीति उत्पाद की सामग्री को बार-बार उपयोग करने के लिए होता है।
उदाहरण- भंडारण कंटेनर के रूप में कार्य करने के लिए पुरानी बोतलो या जार का पुनः उपयोग।
3- Recycle- दैनिक उत्पाद की चीजों को बनाने के लिए नई सामग्री का उपयोग न करके पुरानी ही वस्तुओं को एकत्र कर उनका प्रयोग करना।
उदाहरण- बेकार प्लास्टिक की बोतल से फूलदान बनाना इत्यादि।

'3' Rका महत्व- बढ़ती आबादी के साथ, यह हमारे प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हो गया है जो दीर्घ कालिक में अनवीकरणीय है, और इसलिए आज उन्हें किफायती तरीके से उपयोग करने की तत्काल आवश्यकता है।

संसाधनों के किफायती उपयोग से यह भी सुनिश्चित होता है कि वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट कम हो गया है और इसलिए ग्लोबल वार्मिंग को रोका जा सकता है।

<u>शोध निराकरण-</u>

- भारत की राजधानी नई दिल्ली में, सराय काले खान पड़ोस में स्थानीय कारीगरो ने कचरे और स्क्रैप धातु के ढेर एकत्र किए है जिससे दुनिया के सात अजूबों की प्रतिकृतियां बनाई है। जिसमे ताजमहल का मॉडल, एफिल टॉवर के साथ, स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, पीसा की झुकी मीनार, ब्राजील में क्राइस द रिडीमर की प्रतिमा,

गीजा के महान पिरामिड और रोम के प्रसिद्ध कोलोसियम का भी निमार्ण किया है। जिसे लगभग 150-100 टन ठोस अपशिष्ट धातुओं से बनाया है जो अनुपयोगी हो चुके थे।

- भोपाल मंडल, मे अशोकनगर रेलवे स्टेशन पर कलाकारों ने ट्रेन के डिब्बों के स्क्रैप को मोर की आकृति में बना कर तथा सुंदर रंगो से सजा कर पूरे रेलवे स्टेशन के परिसर में इन मोरों को स्थापित किया है।
- पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल में सहरसा रेलवे स्टेशन पर पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए एक ऑक्सिजन पार्क बनाया गया है इस पार्क में स्क्रैप के जरिए कई कलाकृत्तिया बनाई गई है। जिसमें मेक इन इण्डिया के Logo के तौर पर पहचाना जाने वाला शेर की आकृति को बनाया है जिसे कलाकार ने सुनहरे रंग से पेंट किया है।
- रेल व्हील फैक्ट्री ने ट्रेनों के खराब हो चुके पहियों और उसमें लगे एक्सेल तथा अन्य पुर्जो के इस्तेमाल से खूबसूरत कलाकृत्तियों का निमार्ण किया है इन कलाकृत्तियों को बंगलुरु स्थित रेल व्हील फैक्ट्री के परिसर में सजाया गया है। खराब हो चुके ट्रेन के पहियों को जोड़कर और उन्हे खूबसूरत रंगो से पेंट करके उन पर पानी की बचत करने, ऊर्जा की बचत करने सहित कई अन्य संदेश लिखे गए है।
- अयोध्या में स्थित डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में लगभग प्रत्येक वर्ष लगभग 10 टन के करीब ठोस अपशिष्ट स्क्रैप सामग्री निकलती है, विश्वविद्यालय परिसर में स्थिति ललित कला (फाईन आट्स) विभाग विगत5 वर्षो से इन अपशिष्ट पदार्थो का उपयोग स्क्रैप कलाकृत्तियों को बनाने में कर रहा है। विभागीय शिक्षको के सहयोग से छात्र छात्राएं स्क्रैप सामग्री का प्रयोग कर- प्रतिदिन नई-नई कलाकृत्तियों का निर्माण कर रहे है। जिसमें प्रमुख रूप से नवग्रह वाटिका का निर्माण, किया गया है जिसमें अपशिष्ट धातु के प्रयोग से एक विशाल वटवृक्ष की संरचना की गई है और नौ ग्रहों को उनके निश्चित आकार, मान, एवं दरों के अनुसार वेल्डिंग के द्वारा वटवृक्ष पर सजाया गया है। इसके अलावा अन्य कलाकृत्तियों में स्क्रैप सामग्री से- Seacow, Peacock Series, The family of mosquitoes, Maternity, Cockroach, The sheephead, Balloonist, Play dog, Baffalo, The tease, The swiper, Hippopotamus, Dr. Lohia portraitइत्यादि अनेको सुन्दर कलाकृत्तिया की रचना की गई है

<u>निष्कर्ष:-</u> स्क्रैप आर्ट के द्वारा हम अपना पर्यावरण **"इको फ्रेंडली"** बनाने के साथ-साथ बहुत ही सुन्दर बना सकते है तथा आने वाली पीढ़ियों को अपशिष्ट कचरे से निजात दिला सकते है।

स्क्रैपआट के द्वारा अपशिष्ट निवारण के साथ ही कलाकार अपने कला को एक नवीन स्वरूप प्रदान करने तथा अपनी कला को एक नए आयाम तक पहुंचा सकते है। विगत आने वाले वर्षो में अगर भारत के साथ-साथ विश्व के अन्य कलाकार स्क्रैप आर्ट पर

काम करें तो सुनिश्चित ही बड़े पैमाने पर अपशिष्ट निवारण में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर सकते है तथा पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ कलाकार अपनी सृजनात्मकता में भी वृद्धि कर सकेंगे।

तकनीकी शब्द सूची:-

1- Scrap-अनुपयोगी वस्तु
2- Assemblege Art-संयोजन कला
3- Ready made Art-पहले से तैयार कलाकृति
4- Junk Art-जंक कला
5- Installation Art-स्थापना कला
6- Lubrication-लुब्रिकेशन सिद्धांत
7- Seacow-दरियाई घोड़ा
8- Peacock series-मोर श्रंखला
9- The family of mosquitoes-मच्छरों का परिवार
10-Maternity-मातृत्वा
11- Cockroach-तिलचट्टा
12-The sheephead-भेड़ का बच्चा
13-Balloonist-गुब्बारे वाला
14-Paly dog-खेलता हुआ कुत्ता
15-Baffalo-भैंस
16- The tease-चिढ़ाना
17- TheSwiper- झाड़ू वाला
18- Hippopotamus-जलहस्ती
19- Dr. Lohia portrait-डॉ0 लोहिया जी का व्यक्तिचित्र

संदर्भ सूची:-

- scrapshilpee.com
- knocksense.com
- wikipidia
- dict.hinkhoj.com
- arc-sf.om